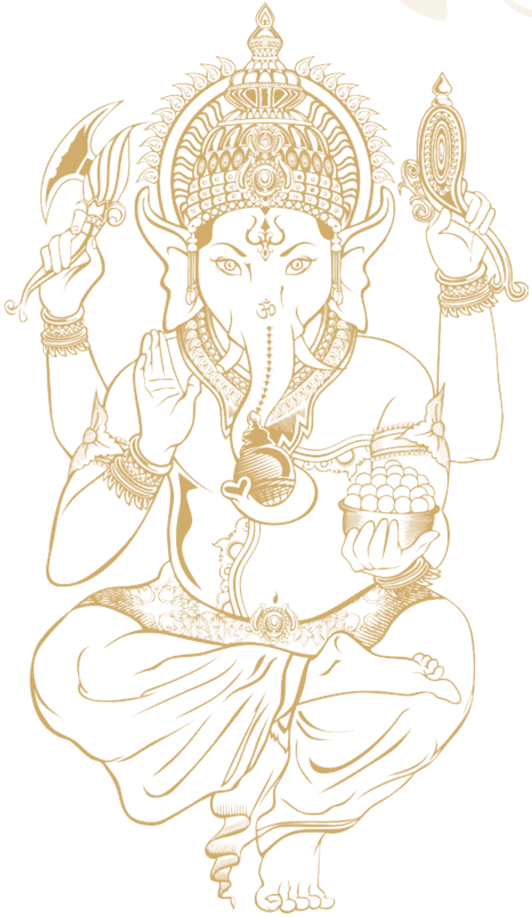

Atharv

29 Jan 2019

09:17 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121946903

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29/01/2019**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**21:17:00 घंटे**
इष्ट	35:17:37 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:57:48 घंटे
वेलान्तर	-00:13:03 घंटे
साम्पातिक काल	05:32:14 घंटे
सूर्योदय	07:09:57 घंटे
सूर्यास्त	17:54:54 घंटे
दिनमान	10:44:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:19:08 मकर
लग्न के अंश	29:46:40 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:46:40	316:56:39	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य			मक	15:19:08	01:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चिक	06:32:06	12:39:47	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	नीच राशि
मंगल			मीन	25:11:17	00:40:39	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	मक	14:59:46	01:42:46	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	सम राशि
गुरु			वृश्चिक	23:14:26	00:10:36	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चिक	29:53:50	01:07:33	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
शनि			धनु	20:34:45	00:06:40	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु			कर्क	02:36:39	00:01:03	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
केतु			मक	02:36:39	00:01:03	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			मेष	04:42:21	00:01:11	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
नेप			कुंभ	20:43:49	00:01:56	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	27:26:01	00:01:57	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	29:30:07	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:10

लग्न-चलित

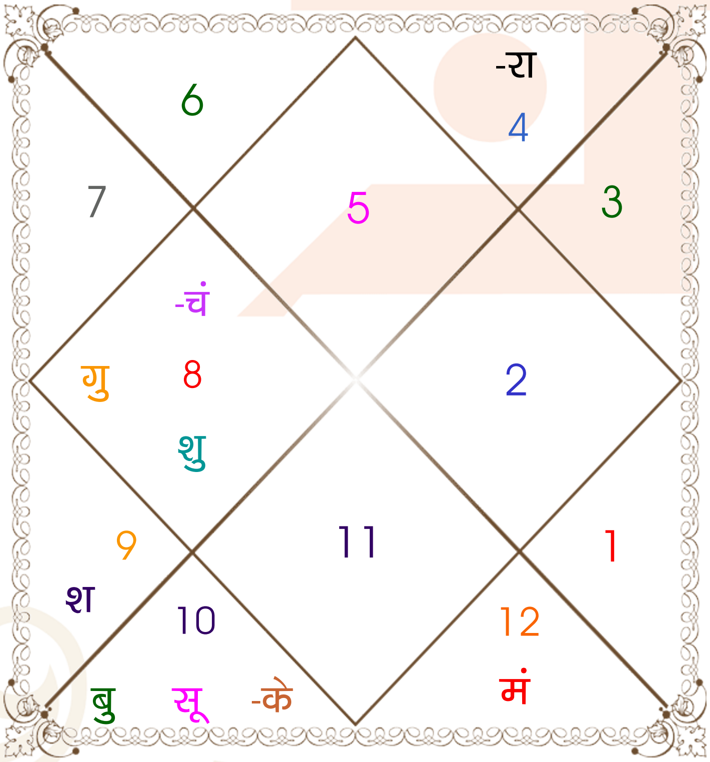

चन्द्र कुंडली

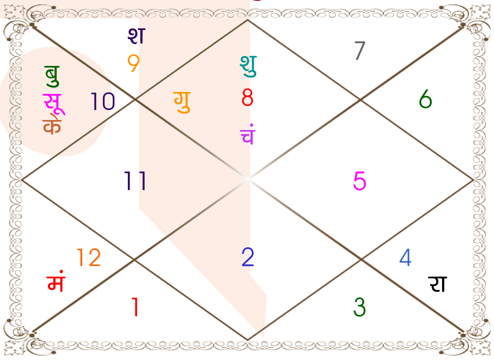

नवमांश कुंडली

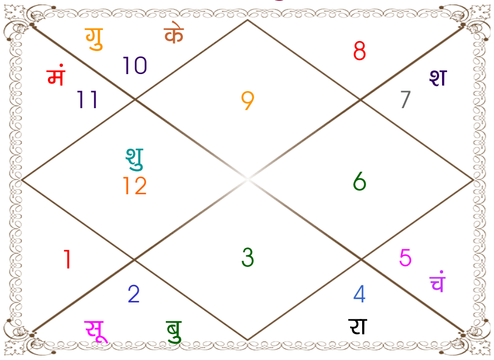

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 14 वर्ष 5 मास 7 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
29/01/2019	08/07/2033	08/07/2050	08/07/2057	08/07/2077
08/07/2033	08/07/2050	08/07/2057	08/07/2077	08/07/2083
29/01/2019	बुध 04/12/2035	केतु 04/12/2050	शुक्र 06/11/2060	सूर्य 25/10/2077
बुध 20/03/2020	केतु 01/12/2036	शुक्र 03/02/2052	सूर्य 06/11/2061	चंद्र 26/04/2078
केतु 29/04/2021	शुक्र 01/10/2039	सूर्य 10/06/2052	चंद्र 08/07/2063	मंगल 01/09/2078
शुक्र 28/06/2024	सूर्य 07/08/2040	चंद्र 09/01/2053	मंगल 06/09/2064	राहु 27/07/2079
सूर्य 10/06/2025	चंद्र 06/01/2042	मंगल 07/06/2053	राहु 07/09/2067	गुरु 14/05/2080
चंद्र 10/01/2027	मंगल 04/01/2043	राहु 26/06/2054	गुरु 08/05/2070	शनि 26/04/2081
मंगल 18/02/2028	राहु 23/07/2045	गुरु 02/06/2055	शनि 08/07/2073	बुध 02/03/2082
राहु 25/12/2030	गुरु 29/10/2047	शनि 11/07/2056	बुध 08/05/2076	केतु 08/07/2082
गुरु 08/07/2033	शनि 08/07/2050	बुध 08/07/2057	केतु 08/07/2077	शुक्र 08/07/2083

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
08/07/2083	08/07/2093	08/07/2100	09/07/2118	09/07/2134
08/07/2093	08/07/2100	09/07/2118	09/07/2134	00/00/0000
चंद्र 08/05/2084	मंगल 04/12/2093	राहु 22/03/2103	गुरु 26/08/2120	शनि 12/07/2137
मंगल 07/12/2084	राहु 22/12/2094	गुरु 14/08/2105	शनि 09/03/2123	बुध 30/01/2139
राहु 08/06/2086	गुरु 28/11/2095	शनि 20/06/2108	बुध 14/06/2125	00/00/0000
गुरु 08/10/2087	शनि 06/01/2097	बुध 08/01/2111	केतु 21/05/2126	00/00/0000
शनि 08/05/2089	बुध 03/01/2098	केतु 26/01/2112	शुक्र 19/01/2129	00/00/0000
बुध 07/10/2090	केतु 01/06/2098	शुक्र 26/01/2115	सूर्य 07/11/2129	00/00/0000
केतु 08/05/2091	शुक्र 02/08/2099	सूर्य 21/12/2115	चंद्र 09/03/2131	00/00/0000
शुक्र 06/01/2093	सूर्य 07/12/2099	चंद्र 20/06/2117	मंगल 13/02/2132	00/00/0000
सूर्य 08/07/2093	चंद्र 08/07/2100	मंगल 09/07/2118	राहु 09/07/2134	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 14 वर्ष 5 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।